f}rh; o"k

iij iFke % ifjp;kREkd i'kfpfdRlk vk"k/k iHkko foKku
leLVj iFke %
dkl dk uke % ifjp;kREkd i'kfpfdRlk vk"k/k iHkko foKku &1

कोर्स ए.एच.डी.–211, क्रेडिट ऑवर : 3 (2+1)

l}kfUrd

1. औषध शास्त्र की प्रस्तावना, सामान्य ज्ञान, वर्गीकरण एवं अन्य जानकारी :–
2. औषध शास्त्र में उपयोग होने वाली शब्दावली, परिभाषा भारतीय औषध कोष, ब्रिटिश औषध कोष, औषध प्रभाव विज्ञान, दशमलव, साम्राज्यक, एवं घरेलू माप–तोल प्रणाली ।
3. चिकित्सा नुस्खों में उपयोग आने वाले रोमन शब्दों की व्याख्या ।
4. औषधियों का संयोजन (कम्पाउडिंग व डिस्पेंसिंग) एवं विभिन्न प्रकार की औषधियों के चूर्ण, गोलियां, मिश्रण, इलेक्च्यूरी आदि देने की विधि एवं मल्हम, लेप, लोशन पुल्टिस आदि बनाने व लगाने की विधि ।
5. औषधियों को देने के विभिन्न तरीके जैसे परऑस, परनोज, पररेक्टम, यूरोजेनाईटल ट्रेक्ट में देना, शरीर की त्वचा पर लगाना एवं इंन्जेक्शन यथा इन्ट्रावीनस, इन्ट्रामस्क्युलर, सबक्युटेनियस, इन्ट्राट्रेकियल, इन्ट्रारूमिनल आदि ।
6. पोसोलोजी/डोजेज (खुराक) प्रभावित एवं निर्धारित करने वाले कारक जैसे उम्र, शरीर का वजन, लिंग, वातावरण, आदत, सहनशीलता, बीमारी, देने का समय, विधि, नस्ल, औषधि का व्यवहार, उदेश्य , उत्सर्जनगति आदि ।
7. फार्मास्यूटिकल क्लासीफिकेशन एवं वेटेरनरी फार्मूलों व फार्मेकोपियल फार्मूलों की तालिका जैसे यांत्रिक विधि द्वारा औषधि निर्माण, जल में निर्मित, एल्कोहल व अन्य माध्यमों जैसे विनेगार, तेल आदि माध्यमों में निर्मित औषधियां ।
8. विभिन्न औषधियों का शरीर पर प्रभाव (रिजल्ट आफ ड्रग एक्शन)
9. औषधियों का औषध प्रभाव के आधार पर वर्गीकरण का प्रारम्भिक ज्ञान जैसे माउथ एन्टीसेप्टीक, स्टोमेकिक, एरोमेटिक्स, गेस्ट्रिक एन्टासिड, एन्टीएमेटिक, कारमिनेटिव, परगेटिव, लक्जेटिव, एस्ट्रीन्जेंट, एन्थेलमेन्टिक, डाइयूरेटिक, एकबोलिक, गेलेक्टोगोग, एन्टीकोअगुलेन्ट हिमोस्टेटिक, हिमेटिनिक, वासोडायलेटर, वासोकांन्स्ट्रीक्टर, ब्रांकोडायलेटर, ब्रोकाकांन्स्ट्रीक्टर, एक्सपेक्टोरेंट, रेस्पीरेटरी स्टीम्युलेंट, रेस्पीरेटरी सेडेटिव, सेरिब्रल स्टीम्युलेंट, एनालजेसिक, सेडेटिव, हिप्नोटिक, नारकोटिक्स, ट्रेंक्युलाइजर, एनेस्थेटिक, युथेनिसिया, मायड्रियेटिक, मायोटिक, एन्टीपायरेटिक, एल्टरेटिव, टानिक, न्यूट्रियेन्ट, विटामिन्स, एन्टीहिस्टामिनिक्स, एन्टीइन्फलामेटरी, इरिटेंट, कास्टिक, ट्रोमेटिक, रेफ्रीजिरेन्टस, डिटरजेन्टस, डीओडोरेन्ट, एन्टीबायोटिक, एन्टीसेप्टिक, एन्टीपेरासिटिक।

ik;kfxd ¼iz;ksxkRed i'kq fpfdRld dh ns[kjs[k e½ %&

1 फार्माकोलॉजी प्रयोगशाला : एक परिचय
2 माप, भार एवम भार ज्ञात करने का ज्ञान
3 कम्पाउडिंग एवम् औषधियोजन (नुस्खा बनाना) : एक परिचय
4 पॉउडर
5 मिश्रण
6 अवलेह
7 मल्हम
8 लोशन

9 पेस्ट
10 पुल्टिस
11 औषधि के पशु शरीर में अंतःप्रवेश के तरीके (per os, per rectum, injections (I/M, I/V, S/C, I/ruminal) etc .)
12 औषधिपत्र को समझना एवम् उसके अनुसार उपचार करना।
13 एल्कोहल, पोटेशियम परमेंग्नेट, आयोडीन, पैराफिन, वैक्स आदि के फार्माकोलॉजीकल कार्य।

f}rh; lseLVj %
dkl dk uke % ifjp;kREkd i'kfpfdRlk vk"k/k iHkko foKku&2
कोर्स ए.एच.डी.–212, क्रेडिट ऑवर : 3 (2+1)

l)kfUrd
जानवरों की बीमारी में काम आने वाली औषधियों की पहचान ।

1. अकार्बनिक औषधिशास्त्र का प्रारम्भिक ज्ञान :–
   1. क्षार धातू एवं अमोनिया – सोडियम क्लोराइड सोडियम हाइड्रोक्साइड, सोडियम कार्बोनेट व बाईकार्बोनेट पोटेशियम क्लोराइड पोटेशियम परमेंगनेट पोटेशियम कार्बोनेट व बाईकार्बोनेट, पोटेशियम नाइट्रेट, पोटेशियम आयोडाइड, सोडियम साइट्रेट, अमोनियम क्लोराईड, लीकर अमोनिया फोर्ट, अमोनियम कार्बोनेट, स्प्रिट अमोनिया एरोमेटिक्स ।
   ब. एल्कली अर्थ मेटल – केल्सियम क्लोराईड, कैल्सियम ग्लुकोनेट, केल्सियम बोरोग्लुकोनेट, केल्सियम लेक्टेट, केल्सियम फास्फेट, केल्सियम हाइड्रोक्साइड, क्रिटाप्रिप्रेटा, केओलीन, केलामाइन, प्लास्टर आफ पेरिस, मेगनिशियम कार्बोनेट व मेगनिशियम सल्फेट ।
   स. हेवी मेटल्स – एल्यूमिनियम हाइड्रोक्साईड, लेड एसिटेट, जिंक सल्फेट, जिंक आक्साइड, कॉपर सल्फेट, सिल्वर नाइट्रेट, मरकरी क्लोराइड (कोलोमल), बिनआयोडाईड आफ मरकरी, मरक्युरोक्रोम आरजीरोल, प्रोटारगोल, फेरस सल्फेट, फेरिक क्लोराइड, टिंचर फेरी पर क्लोराइड, कोबाल्ट क्लोराइड ।
   द. मेटेलायड्स – बिस्मथ कार्बोनेट, बिस्मथ सबनाईट्रस, पोटेशियम एन्टीमनी टारटरेट (टार टार एमेटिक) एसिटायल आरसन, सर्रामीन, आरसेनिक ट्राई आक्साईड (संखिया), केल्सियम ग्लिसरों फास्फेट ।
   य. नॉन मेटल –हेलोजन्स, क्लोरीन, आयोडीन, आक्सीजन, सल्फर सब्लाईम्ड, वुड चारको (कार्बन)
2. कार्बनिक औषध शास्त्र का प्रारम्भिक ज्ञान :–
   अ. मस्तिष्क स्नायुतंत्र पर कार्य करने वाली औषधियां – 1. वोलेटाइल जनरल एनेस्थेटिक, क्लोरोफार्म, ईथर, ट्राइलीन, एथीलीन, कार्बन टेट्रा क्लोराईड 2.नारकोटिक्स– एल्कोहल 3.क्लोरल ग्रुप क्लोरल हाइड्रस 4. यूरिया डेरीवेटिन्स– बारबीच्युरेट 5.सल्फोनल ग्रुप– सल्फोनल 6. एल्केलॉयंड नारकोटिक्स ओपीयम (अफीम) मोरफीन, कोडीन 7. केनाविस (गांजा) कोकीन, नक्स वोमिका, निकेथमाईड, मस्क (कस्तुरी) बेलाडोना हायोसायमस (खर्शनी) स्ट्रामोनियम (धतूरा) वसाका, तम्बाकू, कारबाकोल
   ब. पाचन तंत्र पर कार्य करने वाली औषधियों का प्रारम्भिक ज्ञान –
   1. डाइजेस्टिव फरमेन्टस व वेजिटेबल बिटर्स एवं स्वीटनिंग एजेन्टस– पल्व जिन्सन, चिरायता, माल्ट, पेप्सीन, शीरा, शहद सेंक्रीन 2.परगेटिव – केस्टर ऑयल, टिंचर एस्फोयटिडा, अलसी का तेल, क्रोटन आयल, लिनसिंड आयल, एलाय 3.इमोलियेन्टस व डिमलसेन्ट– आलिव ऑयल, ग्राउन्डनट आयल, काटन सीड ऑयल, मस्टर्ड ऑयल, कोकोनेट ऑयल, लीक्विड पेराफिन, गिल्सरीन, गम एकेसिया, स्टार्च, बारले 4.वेजिटेबल एस्ट्रीजेन्ट – टेनिक एसिड केटेचू (कत्था) 5.

वोलेटाइल ऑयल (क) कारमिनेटिव ग्रुप – क्लोव आंयल (लोंग का तेल) कारडमम (इलायची) कोरियेंड्रम (धनिया) एनीथम (दिल) एनिसी (सौंफ) सिनामोन (दालचीनी) ऑयल आफ लेवेण्डर, क्यूमिन (जीरा) पीपरमिन्ट, पुदिना जिन्जर (अदरक) (ख) काउन्टर इरिटेंट ग्रुप – टरपेन्टाइन यूकेलिप्टस, केप्सीकम (मिर्च) ब्लेक पीपर (काली मिर्च) गारलिक (लहसुन) आनियल (प्याज) (ग). यूरिनरीएन्टीसेप्टिक व डायुरेटिक– सेन्डलवुड (चन्दन) (घ). सोलिड वोलेाटाइल आयल– केम्फर, मन्थोल, थायमोल (ड.) अलोयगम रेजिन्स एसफोयटिडा 6. कृमिनाशक (क) राउण्ड वर्म व हुक वर्म आयल आफ चिनापोडीयम, पाईपराजीन एडीपेट, डाई इथायल कार्बमीजीन, कार्बन टेट्रा क्लोराइड

2. स्टोमक वर्म– फिनोविस, प्रोभिन्टिक, ब्यूटिया, सेमिना (पलास के बीज) बेरोनिया (बाकूची) (ग) टेपवर्म– नक्स एरेसिया (सुपारी) डाईक्लोरोफेन (डाईसेस्टल) कमाला, पम्पकीन सीड (घ) फ्लूक वर्म – कार्बन टेट्रा क्लोराइड (ड) ब्लड वर्म –टार–टार एमेटिक, नेगुवोन ।

स. रक्त परिवहन तंत्र पर कार्य करने वाली औषधियों का प्रारम्भिक ज्ञान – 1. कार्डीयक डिप्रेसेन्ट एकोनाइट 2. कार्डीयक टानिक डिजिटेलिस, सिक्विल 3.वेसोकांन्सट्रिक्टर – एड्रीनलीन, एफीड्रीन, एम्फिटामीन 4.वेसोडायलेटर एमायल नाइट्रेट ।

द. श्वसन तंत्र पर कार्य करने वाली औषधियों का प्रारम्भिक ज्ञान :–

1. एक्सपेक्टोरेंट – इपाकुआना

य. उत्सर्गो जनन अंगों पर कार्य करने वाली औषधियों का प्रारम्भिक ज्ञान – कैफीन, सोडीयम सेलिसिलेट, पोटेशियम नाइट्रस, थियोब्रोमीन, थियोफाइलीन, अरगट, ओक्सीटोसिन ।

त्वचा पर कार्य करने वाली औषधियों का प्रारम्भिक ज्ञान – पेराफीन, वैसलीन, लार्ड, वेक्स, गेमेक्सीन, साबुन डिटरजेंट सेट्रीमाइड आदि ।

3. पशुओं के उपचार में आने वाली जरूरी सल्फा ड्रग्स तथा प्रति जीवाणु औषधि (एन्टीबायोटिक्स) की खुंराक कार्य प्रणाली संबंधी प्रारम्भिक ज्ञान।
4. पशु उपचार में आने वाली औषधियों की असंगति (अंसयोजनता) जहरीली दवाईयां एवं उनसे दुर्घटना से बचने के उपाय आदि की सामान्य जानकारीयां ।

ik;kfxd

1 निम्न का औषधियां तैयार करने में महत्व :

सोडियम क्लोराइड, पोटेशियम परमेंग्नेट, पोटेशियम आयोडाइड,सोडियम साइट्रेट, लिकर अमोनिया फोर्ट, स्प्रिट अमोनिया एरोमेटिकस, कैल्शियम बोरोग्लूकोनेट, प्लास्टर ऑफ पेरिस, मैग्निशियम सल्फेट, जिंक सल्फेट, कैओलिन, कैलामाइन, सिल्वर नाइट्रेट, बिन आयोडाइड ऑफ मरकरी, बिस्मथ सब नाइट्रेट, आयोडीन, सल्फर, चारकोल

2 प्रयोगशाला परिक्षण के लिए रक्त, मूत्र, मल दुग्ध के नमूनों का संग्रहण एवम् प्रेषण के तरीके

3 वायुसारी तैयार करना

4 स्तंभक तैयार करना

5 प्रतिक्षोभक, विरेचक, मूत्र रोगाणुरोधक एवम् कृमिनाशक के सामान्य नाम एवम् उपयोग औषधि असंगति